मृत्यु और बिचार के दिन के बिषय में।

८५ प्र: मरने के पीछे तुम्हारा आत्मा कहां जायगा।
उ: मरनेके पीछे मेरा आत्मा आसमान में वा नरक में जायगा॥

८६ प्र: पीछले दिन में सब मनुष्यों का न्याय कान करेगा।
उ: पीछले दिनमें प्रभु योशु सब मनुष्योंका न्याय करेगा॥

८७ प्र: नरक में कोन डाले जायेंगे।
उ: दुष्ट लोग और सब जो परमेश्वर को भुल जाते हैं नरक में डाले जायेंगे॥

८८ प्र: नरक कैसा स्थान है।
उ: नरक अत्यन्त दुःख का स्थान है॥

८९ प्र: धर्म्मी लोग कहां जायेंगे।
उ: धर्म्मी लोग परमेश्वर के संग सदा रहेंगे॥

९० प्र: आनन्दित होने के लिये क्या ढूंढ़ना चाहिये।
उ: नरक से बचने और स्वर्गमें जाने को ढूंढ़ना चाहिये॥

भोर की प्रार्थना।

हे प्रभु आजके दिन अपनी आशीष मुझे दे, मेरी रखवाली कर, और मुझे सब पाप से बचा। यह मैं प्रभु योशुके नाम से मांगता हूं। आमीन॥

सांझ की प्रार्थना।

हे प्रभु इस रात में मुझपर दृष्टि कर और मेरे सब पापों को क्षमा कर और मुझे अच्छा लड़का बना। यह मैं प्रभु योशु के नाम से मांगता हूं। आमीन॥

भोजन करने से पहिले

हे परमेश्वर मेरे भोजन के साथ अपना आशीष दे और मुझ को बुराई से बचा। प्रभु योशु के नाम से। आमीन॥